
Jaya Stuti

—
—
जयस्तुतिः
—
—

Document Information



Text title : Jaya Stuti

File name : jayastutiH.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Latest update : September 29, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose. Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

September 29, 2019

sanskritdocuments.org



—
—
जयस्तुतिः
—
—

जय सर्वजनाधीश जय गौरीपते शिव ।
जय देव महादेव जयगङ्गाधरेश्वर ॥ १ ॥

जय दग्धपुराध्यक्ष जय कालान्तकारक ।
जय कामविरामेश जय भक्तानुकम्पक ॥ २ ॥

जय त्रैलोक्यसंरक्षिन् जय निर्गुण सद्गुण ।
जयानन्तगुणारम्भ जय घोर महेश्वर ॥ ३ ॥

जय चन्द्रकलाक्रान्त जय नागेन्द्रभूषण ।
जय पुङ्गवसत्केतो जय त्र्यक्ष महेश्वर ॥ ४ ॥

जयान्तकरिपो शम्भो जय ब्रह्मादिकारण ।
जय पञ्चकलातीत जय शूलिन्कपालभृत् ॥ ५ ॥

जयोपेन्द्रेन्द्रचन्द्राद्य जय नन्द्यादिवन्दित ।
जयानेकगणाधीश जय स्वामिन् महेश्वर ॥ ६ ॥

जय विश्वाद्य विश्वेश जय विश्वैककारण ।
जय विश्वसृजां मुख्य जय विश्वस्य सद्गुरो ॥ ७ ॥

जय निरामय जय सुधामय जय धृतामृतदीधिते
जय हतान्तक जय कृतान्तक जय पुरान्तक सद्गते ।
जय परापर जय दयापर जय नतार्पितसद्गते
जय जितस्मर जय महेश्वर जय जय त्रिजगत्पते ॥ ८ ॥

इति जयस्तुतिः समाप्ता ।



Jaya Stuti

pdf was typeset on September 29, 2019



Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

